

उत्कृष्टता में संलग्न: रक्षा मंत्री की डीआरडीओ अधिकारियों के साथ बातचीत



गणतंत्र दिवस 2025 पर डीआरडीओ द्वारा तकनीकी वैभव का प्रदर्शन



Raksha Kavach by DRDO



मुख्य संपादक: किरण चौहान
सह मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण
संपादक: दीप्ति अरोरा
सहायक संपादक: धर्म वीर
अनुवादक: अनुराग कश्यप

प्रकाशन का 37वां वर्ष

फरवरी 2025 खण्ड 37 अंक 02

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चंदापुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
बेंगलूरु	:	श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई) श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई) श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैक्स) श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर) डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक) डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव प्रौद्योगिकी और विद्युत चिकित्सकीय प्रयोगशाला (डेबेल) डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई) श्रीमती साइमा बशीर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई) सुश्री मीता जन, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल) डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री डी पी त्रिपाठी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील) श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री हेमंत कुमार, अग्नि, पर्यावरण तथा विस्फोटक सुरक्षा केंद्र (सीफीस) डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास) श्री संतोश कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर) श्रीमति अरुण कमल, डीपीए आर ओ एंड एम, डीआरडीओ मुख्यालय डॉ नवीन कुमार सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) डॉ सुजाता दास, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा) श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी) डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एसएसएल) श्री श्रीनिवास जुलुरु, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) श्री सीएच नरसिम्हाचारी, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल) श्री एस शशी नाथ, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
जगदलपुर	:	श्री खिलावन सिंह, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	श्री सुनील भण्डारी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, जैव-रक्षा प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईबीटी)
नासिक	:	श्री आशुतोष शर्मा, ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसीईएम)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई) डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी) डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)



इस अंक में

मुख्य लेख

4



प्रौद्योगिकी हस्तांतरण/समझौता ज्ञापन	7
घटनाक्रम	9
मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप	18
राजभाषा गतिविधियाँ	26
कार्मिक समाचार	28
खेलकूद गतिविधियाँ	29
निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम	31

वर्तमान अंक, DRDO Newsletter, Vol 45, Issue 02, February 2025, का हिंदी अनुवाद है।

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:
director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in
दूरभाष: 011-23902403, 23902472, फैक्स: 011-23819151

रक्षा मंत्री की डीआरडीओ अधिकारियों के साथ बातचीत

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 2 जनवरी 2025 को डीआरडीओ मुख्यालय का दौरा किया तथा संगठन के 67वें स्थापना दिवस के अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के साथ बातचीत की। बैठक में माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ भी शामिल हुए। अपने संबोधन में, श्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक तकनीकों और उपकरणों से लैस करके और निजी क्षेत्र के साथ सहयोग के माध्यम से रक्षा क्षेत्र को मजबूत करके देश की स्वदेशी क्षमताओं को विकसित करने के लिए डीआरडीओ की सराहना की।

2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किए जाने पर, माननीय रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि डीआरडीओ निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने डीआरडीओ से तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ तालमेल बिठाते हुए आगे बढ़ते रहने और बदलते समय के लिए प्रासंगिक

उत्पाद पेश करते रहने का आह्वान किया।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे तकनीकी रूप से उन्नत देशों द्वारा अपनाए जा रहे उत्पादों एवं प्रक्रियाओं पर नजर रखें तथा डीआरडीओ को दुनिया के सबसे मजबूत अनुसंधान एवं विकास संगठनों में से एक बनाने के उद्देश्य से विशिष्ट तकनीकों का विकास करें। उन्होंने अपना विचार व्यक्त किया कि डीआरडीओ की प्रत्येक प्रयोगशाला को 2-3 महत्वपूर्ण परियोजनाओं की पहचान करनी चाहिए, जिन्हें 2025 तक पूरा किया जाना चाहिए। श्री सिंह ने डीआरडीओ से विचारों के मूल्यवान आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और भारतीय रक्षा क्षेत्र को बदलते समय के अनुसार नवीन तकनीकों के साथ आने का अवसर प्रदान करने के लिए अपने अनुसंधान एवं विकास प्रयासों में स्टार्ट-अप को शामिल करने की संभावना तलाशने का आह्वान किया। डॉ. समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष,



डीआरडीओ ने माननीय रक्षा मंत्री को चल रही आरएंडडी गतिविधियों, 2024 में डीआरडीओ की उपलब्धियों, उद्योगों, स्टार्ट-अप, और शिक्षा को बढ़ावा देने में डीआरडीओ की विभिन्न पहलों तथा 2025 के लिए डीआरडीओ के रोडमैप के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि, अब तक डीआरडीओ द्वारा विकसित प्रणालियों पर 1,950 ToTs भारतीय उद्योगों को सौंपे गए हैं, जिनमें से 2024 में भारतीय उद्योगों के साथ ToTs के लिए 256 लाइसेंसिंग समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।



गणतंत्र दिवस 2025 पर डीआरडीओ द्वारा तकनीकी वैभव का प्रदर्शन

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), ने अत्याधुनिक तकनीकों के साथ भारत को सशक्त बनाने और रक्षा में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने के मिशन के साथ, 26 जनवरी 2025 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर 76वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपने कुछ पथ-प्रदर्शक नवाचारों को प्रदर्शित किया।

डीआरडीओ की झांकी, जिसका विषय 'रक्षा कवच-बहु-क्षेत्रीय खतरों के खिलाफ बहु-परत सुरक्षा', में त्वरित प्रतिक्रिया सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल; एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (AEW&CS); 155 मिमी/52 कैलिबर एडवांस्ड टोड

आर्टिलरी गन सिस्टम (ATAGS); ड्रोन डिटेक्ट, डिटर एंड डिस्ट्रॉय; सैटेलाइट-आधारित सर्विलेंस सिस्टम मध्यम पॉवर रडार- अरुघा; उन्नत हल्के वजन वाला टॉरपीडो; इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली-धराशक्ति; लेजर आधारित निर्देशित ऊर्जा हथियार; वैरी शार्ट रेंज एयर डिफेन्स सिस्टम; स्वदेशी मानव रहित हवाई प्रणाली; भूमि बलों के लिए V/UHF मैनपैक सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो; स्वदेशी सिक्वोर सैटेलाइट फोन और UGRAM असॉल्ट राइफल को दिखाया गया।

झांकी के पोस्टरों में 2024 में डीआरडीओ की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ भी दिखाई गईं। इनमें लॉन्ग रेंज

हाइपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल, लाइट वेट बुलेटप्रूफ जैकेट (ABHED), दिव्यास्त्र-मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटबल री-एंट्री व्हीकल, 'जोरावर' लाइट टैंक तथा रडार, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम, सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो एवं इलेक्ट्रो-ऑप्टिक (Shyen) के साथ डोर्नियर मिड-लाइफ अपग्रेड शामिल हैं।

परिशुद्धता, आत्मनिर्भरता, और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को उजागर करते हुए, डीआरडीओ ने प्रलय हथियार प्रणाली के उपकरण भी प्रदर्शित किए- जो एक सतह से सतह पर मार करने वाली सामरिक मिसाइल है जिसे अत्याधुनिक तकनीकों के साथ डिजाइन और





विकसित किया गया है। परेड के दौरान विभिन्न सशस्त्र बलों की टुकड़ियों में डीआरडीओ द्वारा विकसित कई अन्य प्रणालियाँ जैसे नाग मिसाइल प्रणाली, पिनाका, ब्रह्मोस, शॉर्ट स्पेन ब्रिजिंग सिस्टम-10 मीटर, और आकाश हथियार प्रणाली भी प्रदर्शित की गईं।

डीआरडीओ मुख्य रूप से 'मेक इन इंडिया एंड मेक फॉर द वर्ल्ड' के लक्ष्य को साकार करने के लिए कई अत्याधुनिक सैन्य प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों की प्रणाली परिभाषा, डिजाइन, और विकास में लगा हुआ है। डीआरडीओ महत्वपूर्ण प्रणालियों को विकसित करने और 'आत्मनिर्भर भारत' की भावना को सुदृढ़ करने के लिए शिक्षाविदों, उद्योगों, स्टार्ट-अप्स, और सेवाओं सहित रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के सभी हितधारकों के साथ साझेदारी कर रहा है।



केयर ने स्वदेशी रूप से विकसित MIL GIS तकनीक ECIL को सौंपी

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु, द्वारा विकसित सैन्य भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS) की प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण (ToT) इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ECIL) को 16-19 दिसंबर 2024 के दौरान ECIL, हैदराबाद में किया गया।

ECIL में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में यह प्रौद्योगिकी सौंपी गई। डॉ अनेश कुमार शर्मा, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक (तकनीकी), ECIL, ने डॉ नारायण पाणिग्रही, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, अवर निदेशक (ToT) एवं प्रभाग प्रमुख, जीआईएस विभाग, केयर, से प्रौद्योगिकी प्राप्त की। डॉ शर्मा ने इस ToT को भारतीय सशस्त्र बलों के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली प्रदान करने के ECIL के प्रयास में एक प्रमुख मील का पत्थर बताया। श्रीमती कामिनी माहेश्वरी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं परियोजना निदेशक (PJ10 WPN CMLX), डीआरडीओ भी इस कार्यक्रम में शामिल हुईं।

केयर टीम ने लगभग 20 उदाहरण कार्यक्रमों का उपयोग करके ECIL टीम



को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया, जिसमें दिखाया गया कि कैसे CAIRGIS के विभिन्न पुस्तकालयों के एपीआई का उपयोग सेना के लिए GIS-आधारित सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों के विकास के लिए किया जा सकता है। CAIRGIS का उपयोग करके अपने विशिष्ट सिस्टम विकसित करने के लिए और ECIL को सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण के दूसरे चरण की भी योजना बनाई गई है।

ECIL अब केयर की GIS तकनीक के लिए चौथा ToT भागीदार बन गया

है। इससे पहले यह ToT बीईएल बेंगलोर, माइक्रोजेनेसिस टेकसॉफ्ट लिमिटेड बेंगलोर, तथा मैपमाईइंडिया नई दिल्ली द्वारा लिया गया था। ToT भागीदारों के ऐसे मजबूत आधार के साथ, केयर ने घरेलू GIS तकनीक का उपयोग करके GIS-आधारित सैन्य प्रणालियों के विकास और रखरखाव के लिए भारतीय उद्योग में सफलतापूर्वक क्षमता और सामर्थ्य दिखाया है। यह निर्यात के लिए उच्च क्षमता के साथ भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भू-स्थानिक आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ी उछाल है।

रक्षा मंत्रालय ने एआईपी सिस्टम निर्माण और एकीकरण के लिए एमडीएल के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

कलवरी-क्लास पनडुब्बियों की पूर्ण शक्ति क्षमता बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक हैवी वेट टॉरपीडो के एकीकरण के लिए नवल ग्रुप, फ्रांस, के साथ 877 करोड़ रुपये का अनुबंध किया गया

रक्षा मंत्रालय द्वारा लगभग 2,867 करोड़ रुपये के दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए। पहला अनुबंध

डीआरडीओ-एआईपी सिस्टम के लिए एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) प्लग के निर्माण और भारतीय

पनडुब्बियों पर इसके एकीकरण के लिए है। दूसरा अनुबंध कलवरी-क्लास पनडुब्बियों पर इलेक्ट्रॉनिक हैवी वेट

टॉरपीडो (EHWT) के एकीकरण के लिए है। माननीय रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह ने 30 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली में दोनों अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए।

एआईपी प्लग के निर्माण और इसके एकीकरण के लिए मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई, के साथ लगभग 1,990 करोड़ रुपये का

अनुबंध किया गया, जबकि डीआरडीओ द्वारा विकसित किए जा रहे EHWT के एकीकरण के लिए नौसेना समूह, फ्रांस, के साथ लगभग 877 करोड़ रुपये की लागत का अनुबंध किया गया। डीआरडीओ स्वदेशी रूप से एआईपी तकनीक विकसित कर रहा है। एआईपी-प्लग के निर्माण और परियोजना में इसके एकीकरण से

पारंपरिक पनडुब्बियां लंबे समय तक चलेंगी और 'आत्मनिर्भर भारत' में बड़ा योगदान देंगी। EHWT का एकीकरण भारतीय नौसेना, डीआरडीओ, और नौसेना समूह, फ्रांस, का एक संयुक्त प्रयास होगा। यह भारतीय नौसेना की कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों की मारक क्षमता को काफी हद तक संवर्धित करेगा।

एसएजी ने डीटीयू और IGDTUW, दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

डीआरडीओ और शिक्षा जगत के बीच अधिक से अधिक संपर्क एवं सहयोग के लिए भारत सरकार की नीति को जारी रखते हुए, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी), दिल्ली, ने दो और प्रमुख विश्वविद्यालयों, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू), दिल्ली, तथा इंदिरा गांधी दिल्ली महिला प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (IGDTUW) के साथ क्रमशः 6 दिसंबर 2024 और 14 जनवरी 2025 को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

ये समझौता ज्ञापन प्रयोगशाला और इन विश्वविद्यालयों को आपसी हित के क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में सहयोग करने में सक्षम बनाएंगे, जो राष्ट्रीय प्रासंगिकता के बहु-विषयक वैज्ञानिक और तकनीकी मुद्दों को संबोधित करेंगे। एसएजी तथा विश्वविद्यालय मुख्य रूप से साइबर एवं नेटवर्क सुरक्षा, AI/ML, बिग डेटा एनालिटिक्स, पोस्ट क्वांटम क्रिप्टोग्राफी और क्वांटम कंप्यूटिंग/संचार, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी, उन्नत गणित एवं क्रिप्टोलॉजी, क्लाउड कंप्यूटिंग, वायरलेस संचार एवं सुरक्षा आदि के क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और जनशक्ति प्रशिक्षण में सहयोग करेंगे।



डीआरडीओ ने अपना स्थापना दिवस समारोह मनाया

“2024 में 1.10 लाख करोड़ रुपये मूल्य की कई प्रणालियाँ सौंपी गईं और आवश्यकता की स्वीकृति (AON) प्रदान की गई: डीआरडीओ अध्यक्ष”

“2024 में 275 करोड़ रुपये की 73 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जिसमें 266 शोधकर्ता और 10 नए शैक्षणिक संस्थान शामिल होंगे”

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, ने महानिदेशकों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 3 जनवरी 2025 को नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ मुख्यालय में पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत के मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। ये श्रद्धांजलि डीआरडीओ के 67वें स्थापना दिवस के अवसर पर दी गई, जिसे हर साल 1 जनवरी को मनाया जाता है।

कार्यक्रम के दौरान डीआरडीओ के कई महत्वपूर्ण दस्तावेज डीआरडीओ अध्यक्ष द्वारा जारी किए गए। इनमें उत्पाद विकास पर एसओपी, डीआरडीओ कार्मिकों से संबंधित विभिन्न एसओपी और दिशा-निर्देशों का संकलन, डीआरडीओ परिवहन नीति, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली पर शब्दकोश, पत्रिका 'इनसाइट', द्विवार्षिक पत्रिका 'क्वेस्ट', तथा डीआरडीओ न्यूजलैटर का जनवरी अंक शामिल थे।

इस कार्यक्रम में डीआरडीओ के दो मोनोग्राफ जारी किए गए। पहला मोनोग्राफ 'कॉन्सेप्टुअल गाइड टू टॉरपीडो सिस्टम डिजाइन एंड डेवलपमेंट' था, जिसे डॉ आरवीएस सुब्रह्मण्यम तथा डॉ वाई श्रीनिवास राव ने लिखा। दूसरा मोनोग्राफ 'हिमालय टू हैदराबाद: ए जर्नी फ्रॉम बॉर्डर रोड्स टू मिसाइल, माइक्रोड्रोन एंड साइबॉर्ग' था, जिसे लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ) वीजे सुंदरम तथा श्रीमती शारदा दुबे ने लिखा। उद्योगों के साथ तालमेल बढ़ाने के लिए, अध्यक्ष, डीआरडीओ, ने डीआरडीओ वेबसाइट पर उद्योग संपर्क



समूह (IIG) पहल शुरू की। IIG एक सक्रिय और संरचित ढांचा है, ताकि व्यवसायी ओपन हाउसेस में संबंधित प्रयोगशालाओं के साथ आमने-सामने बैठक करके अपने सुझाव, चिंता, प्रश्न या शिकायत व्यक्त कर सकें।

अपने संबोधन में, डीआरडीओ के अध्यक्ष ने शुभकामनाएं दीं और कहा कि 2024 संगठन के लिए बहुत अच्छा साल रहा। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ को 32वें वैश्विक संगोष्ठी और 6वें विश्व परियोजना प्रबंधन मंच में पांच श्रेणियों में प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है: नवाचार, प्रौद्योगिकी, अपनी तरह की एक अनूठी इकाई, और आत्मनिर्भर परियोजना के लिए धाराशक्ति – एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (EW) प्रणाली, उन्नत लाइट वेट टॉरपीडो (ALWT), उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (ATAGS),

मिशन 45 दिन, तथा क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल (QRSAM)।

डीआरडीओ के अध्यक्ष ने 2024 में उद्योगों और शिक्षा जगत की सहभागिता को सक्षम बनाने के लिए डीआरडीओ की पहलों पर भी प्रकाश डाला तथा कहा कि अब तक डीआरडीओ द्वारा विकसित प्रणालियों पर 1,950 प्रौद्योगिकी हस्तांतरण भारतीय उद्योगों को सौंपे गए हैं, जिनमें से 2024 में भारतीय उद्योगों के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए 256 लाइसेंसिंग समझौतों (LAToTs) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। डॉ कामत ने कहा कि इस तिथि तक 80 परियोजनाएं चल रही हैं, जिनमें से 2024 में उद्योगों/एमएसएमई/स्टार्ट-अप को नौ परियोजनाएं दी गई हैं। 29 परियोजना स्वीकृतियां भी पाइपलाइन में हैं और जल्द ही स्वीकृत हो जानी चाहिए। पीएसएलवी सी-58 मिशन ने कक्षा में टीडीएफ योजना के तहत एक हरित प्रणोदन प्रणाली का

सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। साथ ही, एक एआई उपकरण, 'दिव्य दृष्टि', जो चेहरे की पहचान को हावभाव और कंकाल जैसे अपरिवर्तनीय शारीरिक मापदंडों के साथ एकीकृत करता है, विकसित किया गया है। डीआरडीओ के अध्यक्ष ने कहा कि 15 डीआरडीओ उद्योग अकादमिक उत्कृष्टता केंद्र (डीआईए-सीओई), जो लगभग 65 पहचाने गए अनुसंधान क्षेत्रों में अनुवाद संबंधी अनुसंधान गतिविधियों को संचालित करते हैं, बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। 2024 में, 275 करोड़ रुपये की कुल लागत के साथ 73 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जिसमें 266 शोधकर्ता और 10 नए शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं। इस प्रकार, 984 करोड़ रुपये की लागत से कुल 274 स्वीकृत परियोजनाएँ हैं, जिनमें 900 शोधकर्ता और 46 शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं।

डीआरडीओ मुख्यालय में समारोहों के अलावा, डीआरडीओ की निम्नलिखित प्रयोगशालाओं ने भी अपनी-अपनी प्रयोगशालाओं में डीआरडीओ दिवस मनाया:

सीवीआरडीई, चेन्नई

3 जनवरी 2024 को चेन्नई स्थित संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास संस्थापन (सीवीआरडीई), में डीआरडीओ का 67वां स्थापना दिवस मनाया गया। समारोह के दौरान डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ का संबोधन वेब पर लाइव स्ट्रीम किया गया। संबोधन के बाद, श्री जे राजेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीवीआरडीई, ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों तथा अधिकारियों के साथ लाइट टैंक-जोरावर के स्केल-डाउन मॉडल का अनावरण किया। मुख्य संबोधन में, निदेशक, सीवीआरडीई ने सीवीआरडीई परिवार को आने वाले नए साल के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं और एएफवी की प्रणालियों/उप-प्रणालियों/घटकों के स्वदेशीकरण

में विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने रेगिस्तानी इलाकों और उच्च ऊंचाई वाली स्थितियों में परीक्षण गतिविधियों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए परियोजना टीम के सदस्यों की सराहना भी की।



डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली, ने 3 जनवरी, 2025 को 67वां डीआरडीओ दिवस उत्साह और जोश के साथ मनाया। समारोह की शुरुआत डेसीडॉक के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा नवनियुक्त निदेशक, सुश्री किरण चौहान, वैज्ञानिक 'जी' के स्वागत के साथ हुई। डॉ मोहम्मद यूसुफ अंसारी, वैज्ञानिक 'जी' की ब्रीफिंग के बाद कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। उन्होंने वर्ष 2024 के दौरान डेसीडॉक द्वारा पूरे किए गए कार्यों और उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। सुश्री चौहान ने डेसीडॉक परिवार को भी संबोधित किया। अपने संबोधन में, उन्होंने डेसीडॉक में एक स्वस्थ कार्य वातावरण निर्माण करने और बनाए रखने के बारे में बात की और बेहतर संगठनात्मक



आउटपुट के लिए डेसीडॉक कर्मचारियों के कौशल उन्नयन पर भी जोर दिया। इस अवसर पर डेसीडॉक कैलेंडर 2025 का विमोचन भी किया गया।

डीएमआरएल, हैदराबाद

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद, ने 3 जनवरी 2025 को 67वां डीआरडीओ दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। डॉ आर बालामुरलीकृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल, ने अपना संबोधन दिया, जिसमें 2024 की महत्वपूर्ण उपलब्धियों और मील के पथरों को दर्शाया गया। उन्होंने कर्मचारियों के अथक प्रयासों एवं योगदान की सराहना की और उन्हें प्रेरित रहने, एक मजबूत उत्पाद-उन्मुख दृष्टिकोण बनाए रखने तथा साथ ही प्रयोगशाला के वैज्ञानिक आधार को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने बताया कि ये प्रयास दशकीय रोडमैप लक्ष्यों को पूरा करने और डीएमआरएल की दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण हैं, जबकि साथ ही साथ अल्प और मध्यम अवधि में आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। कार्यक्रम का समापन डॉ बालामुरलीकृष्णन द्वारा डीआरडीओ को समर्पित 25 साल की सेवा पूरी करने वाले कर्मियों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने के साथ हुआ, जो संगठन में उनके अमूल्य योगदान को दर्शाता है।



डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने 3 जनवरी 2024 को 67वां डीआरडीओ दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, के नववर्ष संदेश के लाइव द्रोणा वेबकास्ट से हुई, जिसके बाद सभी महानिदेशकों ने वर्ष 2025 के लिए लक्ष्य निर्धारित किए। इसके बाद डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक,



डीएमएसआरडीई, ने डीआरडीओ दिवस/नववर्ष दिवस पर संबोधन दिया।

उन्होंने वर्ष 2024 में डीएमएसआरडीई की उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ-साथ वर्ष 2025 के लिए निर्धारित लक्ष्यों का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने सेवाओं के लिए विशिष्ट प्रौद्योगिकियों पर विशेष जोर देते हुए वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप कार्य को उन्मुख करने पर जोर दिया।

आईटीएम, मसूरी

3 जनवरी 2025 को आईटीएम, मसूरी, में डीआरडीओ दिवस मनाया गया। समारोह की शुरुआत आईटीएम कर्मियों द्वारा डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद श्री एसपी डोभाल, निदेशक, आईटीएम, ने संबोधन दिया। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और

2024 के दौरान आईटीएम द्वारा किए गए कार्यों और 369 प्रतिभागियों के साथ 14 अनिवार्य पाठ्यक्रमों के सफल संचालन की सराहना की। उन्होंने प्रौद्योगिकी प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन (TECHMA-2024) के सफल संचालन पर प्रकाश डाला। उन्होंने आईटीएम को सीबीसी मान्यता के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में डीआरडीओ सुधार के दौर से गुजर रहा है, जिसमें डीआरडीओ अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने में आईटीएम की महत्वपूर्ण भूमिका है।



स्थापना दिवस समारोह

केयर, बेंगलुरु

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु, ने 20 दिसंबर 2024 को अपना 38वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ (वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए) उपस्थित थे। श्रीमती सुमा वर्गीस, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एमईडी और सीओएस), तथा श्री एन सीताराम, फेलो आईएनईई, पूर्व सीसीआर एंड डी (ईसीएस) सम्मानित अतिथि थे। डॉ सुब्रत रक्षित, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (टीएम एवं एसएम); लेफ्टिनेंट जनरल राकेश शर्मा, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त), यूएसआई; डॉ जी अतिथन, सेवानिवृत्त; विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक



(एमसीसी); डॉ सुधीर कामत, निदेशक डीआईई-आरसीआई, सेवानिवृत्त उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एमसीसी); सहयोगी प्रयोगशालाओं के निदेशक; डॉ अरोकियास्वामी वेलुमणि, पूर्व वैज्ञानिक बीएआरसी एवं थायरोकैयर टेक्नोलॉजीज के संस्थापक; तथा प्रो० अरिंदम घोष, आईआईएससी, विशेष आमंत्रित सदस्य थे।

अपने संबोधन के दौरान, डॉ ऋतुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक केयर, ने संगठन की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि ने सभी को संबोधित करते हुए प्रयोगशाला की उपलब्धियों की प्रशंसा की और वर्तमान परिदृश्य में उनके महत्व पर प्रकाश

डाला। प्रयोगशाला ने स्थापना दिवस समारोह के हिस्से के रूप में 29 नवंबर 2024 से 13 दिसंबर 2024 के दौरान कई खेल कार्यक्रम भी आयोजित किए। इस दिन कर्नाटक राज्योत्सव का जश्न भी मनाया गया। डॉ. टीएम कोटरेश, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीबेल (सेवानिवृत्त), इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्री प्रसन्ना कुमार केआर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सह-निदेशक ने भी सभा को संबोधित किया।

ईसीएस क्लस्टर

14 दिसंबर 2024 को महानिदेशक (ईसीएस क्लस्टर) कार्यालय ने अपना स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर पांच प्रयोगशालाओं के निदेशक, दो केंद्रों के प्रमुख, तथा युवा वैज्ञानिक प्रयोगशाला डीवाईएसएल (सीटी) के निदेशक उपस्थित थे। श्री एसपी गोमेकर वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक (प्रशासन) ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और पिछले वर्ष के दौरान क्लस्टर की उपलब्धियों को संक्षेप में प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर, डॉ. बीके दास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस), ने सभी को संबोधित किया और ईसीएस क्लस्टर को डीआरडीओ का मॉडल क्लस्टर बनाने में प्रत्येक व्यक्ति के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने सभी को याद दिलाया कि प्रत्येक व्यक्ति के ईमानदार प्रयासों से ही, चाहे वह किसी भी पद/संवर्ग का हो, आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

उन्होंने परियोजनाओं की सफलता के लिए किए गए उनके अथक प्रयासों के लिए प्रत्येक प्रयोगशाला एवं केंद्र के निदेशकों तथा केंद्र प्रमुखों की सराहना की और चल रही परियोजनाओं की सफलता के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर का जश्न मनाने के लिए, ईसीएस क्लस्टर की 'सतरंगी' नामक वार्षिक पत्रिका का



विमोचन भी किया गया, जिसमें क्लस्टर की सभी सात प्रयोगशालाओं के लेख और योगदान शामिल थे।

कुछ महत्वपूर्ण विशेषताओं के आधार पर क्लस्टर की प्रयोगशालाओं के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने की पहल की गई। क्लस्टर की सर्वश्रेष्ठ प्रयोगशाला को रनिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया तथा आईआरडीई, देहरादून, को कैलेंडर वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ प्रयोगशाला घोषित किया गया।

कार्यालय के कर्मचारियों के मेधावी बच्चों, जिन्होंने दसवीं और बारहवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, को भी विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस) द्वारा सम्मानित किया गया। निदेशक (पीएम), डॉ. पी एस पांडियन, वैज्ञानिक 'जी' ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु, ने 13 दिसंबर 2024 को वार्षिक दिवस मनाया। डॉ. बीके दास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस), ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री जी ए श्रीनिवास मूर्ति, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीआरडीएल, सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत में श्री जी विश्वम, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एलआरडीई एवं एमटीआरडीसी, ने सभी का स्वागत किया तथा डॉ. एस के दत्ता, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख, एमटीआरडीसी, ने वर्ष 2024 के लिए केंद्र की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। इस दिन ब्रह्मोस





सीकर के लिए एक्स-बैंड एमपीएम का उत्पाद विमोचन भी किया गया। उत्पाद को उत्पादन भागीदार मेसर्स बीईएल, बेंगलुरु, के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उपयोगकर्ताओं को सौंपा गया। राजभाषा तकनीकी गृह पत्रिका 'उमंग' का विमोचन भी हुआ, जिसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। अंत में डॉ एम संत्रा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सह केंद्र प्रमुख, एमटीआरडीसी, ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

एनएमआरएल स्थापना दिवस

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, में 6 जनवरी 2025 को 72वां स्थापना दिवस बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष,

डीआरडीओ, उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री आरवी हारा प्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएंडएम), डॉ मनोरंजन पात्री, अध्यक्ष, सेप्टेम तथा विभिन्न प्रयोगशालाओं के निदेशकों के साथ-साथ निदेशक, पीएम कार्यालय महानिदेशक एनएसएंडएम, डीआरडीओ की सहयोगी प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिक और एनएमआरएल के कर्मचारी भी उपस्थित रहे। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं

निदेशक, एनएमआरएल, ने वर्ष 2024 में प्रयोगशाला द्वारा की गई प्रगति और उपलब्धियों का अवलोकन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर एनएमआरएल की वार्षिक रिपोर्ट 2024 भी जारी की गई। मुख्य अतिथि ने प्रयोगशाला स्तर के पुरस्कार विजेताओं और खेल आयोजनों के विजेताओं को प्रमाण पत्र भी सौंपे। मुख्य अतिथि ने डीआरडीओ में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया।



DIA-COE-IIT कानपुर परियोजनाओं का हस्तांतरण

आईआईटी कानपुर के 65वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह तथा डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ, ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर का एक महत्वपूर्ण आकर्षण 24 करोड़ रुपये की लागत वाली छह DIA-COE-IITK परियोजनाओं को IIT कानपुर के निदेशक प्रो मनिंद्र अग्रवाल को औपचारिक रूप से सौंपना था, जिससे रक्षा अनुसंधान को आगे बढ़ाने में डीआरडीओ और IIT, कानपुर के बीच मजबूत सहयोग को बल मिला। इसके अलावा, DIA-

COE-IIT कानपुर ने अपनी अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास क्षमताओं को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी में

सक्रिय रूप से भाग लिया, जो रक्षा प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



विभिन्न आयोजनों में डीआरडीओ की भागीदारी

शास्त्र एक्सपो 2025 में सीवीआरडीई की भागीदारी

3-7 जनवरी 2025 के दौरान IIT-मद्रास द्वारा आयोजित शास्त्र एक्सपो 2025 में चेन्नई स्थित संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास संस्थापन (सीवीआरडीई), ने भाग लिया।

यह प्रदर्शनी IIT-मद्रास का वार्षिक तकनीकी उत्सव है, और बड़ी संख्या में छात्र, वैज्ञानिक,

प्रतिनिधि, तथा शोधकर्ता सीवीआरडीई स्टॉल पर आए। यह आयोजन छात्र समुदाय के लिए एक आदर्शपूर्ण मंच है, और इस मंच पर प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों ने युवा मन की रुचियों को जगाया।



आईआईएसएफ 2024 में डीआरडीओ की भागीदारी

10वां भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2024 IIT-गुवाहाटी में 3 नवंबर 2024 से 3 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया गया। डीपास, डीआरडीएल, और एडीआरडीई ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। डीआरएल डीआरडीओ के लिए नोडल प्रयोगशाला थी। डीआरडीओ मंडप ने कई गणमान्य व्यक्तियों का ध्यान आकर्षित किया, जिनमें डॉ एस सोमनाथ, सचिव, अंतरिक्ष

विभाग एवं अध्यक्ष इसरो; डॉ के शशिकुमार, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण सचिव, त्रिपुरा; प्रमुख अतिथि; तथा स्कूलों एवं कॉलेजों के छात्र शामिल थे। डीआरएल ने प्रदर्शनी के दौरान अपने विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन किया। डीआरडीएल द्वारा प्रदर्शित



उन्नत मिसाइल प्रणालियों के टेबलटॉप मॉडल बातचीत के महत्वपूर्ण बिंदु थे।

PROMETEO-2025 में डीएलजे की भागीदारी

IIT-जोधपुर ने 17-19 जनवरी 2025 के दौरान प्रौद्योगिकी, नवाचार, और उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रणी मष्तिष्कों को एक साथ लाने, बौद्धिक आदान-प्रदान और अन्वेषण के लिए माहौल को बढ़ावा देने के लिए एक तकनीकी कार्यक्रम 'PROMETEO-2025' का आयोजन किया। रक्षा प्रयोगशाला जोधपुर (डीएलजे) ने इस कार्यक्रम में विभिन्न स्वदेशी रूप से विकसित

प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। डीएलजे ने IIT-जोधपुर के छात्रों और अन्य संस्थानों से आए छात्रों के लिए 'रक्षा नवाचार और तकनीकी उन्नति' विषय पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया।



25वें राष्ट्र कथा शिविर में डीएलजे और एआरडीई की भागीदारी

25वां राष्ट्र कथा शिविर 28 दिसंबर 2024 से 5 जनवरी 2025 के दौरान राजकोट, गुजरात, में आयोजित किया गया। डीआरडीओ ने इस कार्यक्रम में

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे), को नोडल प्रयोगशाला तथा उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे और आयुध

अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई), पुणे, को भागीदार एजेंसी के रूप में शामिल किया। डीआरडीओ की ओर से कुल 20 प्रदर्शनियां प्रदर्शित की गईं।

एलएंडटी हजीरा में स्टील कटिंग समारोह

28 दिसंबर 2024 को एलएंडटी हजीरा में एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (AIP) सिस्टम के लिए स्टील कटिंग समारोह आयोजित किया गया। यह स्वदेशी तकनीकी प्रगति के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रमुख मील का पत्थर था। इस कार्यक्रम ने AIP कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का संकेत दिया, जो महत्वपूर्ण निर्माण चरण की शुरुआत का संकेत देता है और इस नवाचारी तकनीक के लिए नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, में व्यापक अनुसंधान और विकास प्रयासों का एक ठोस परिणाम है। पनडुब्बी के आईएनएस कलवरी वर्ग के लिए डीआरडीओ द्वारा विकसित AIP तकनीक का निर्माण डीआरडीओ से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के तहत मेसर्स एलएंडटी प्रेसिजन सिस्टम्स एंड इंजीनियरिंग द्वारा किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर



डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ की उपस्थिति ने रक्षा प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में AIP प्रणाली के महत्व को रेखांकित किया। उनके साथ, श्री आर वी हारा प्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएम); श्री पी टी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं

महानिदेशक, एनएमआरएल; डॉ सुमन रॉय चौधरी, वैज्ञानिक 'एच', AIP कार्यक्रम निदेशक; डॉ वाई श्रीनिवास राव, पूर्व महानिदेशक (एनएसएम), डॉ वाराप्रसाद पूर्व महानिदेशक (एचआर) तथा डीआरडीओ, नौसेना समूह और एलएंडटी के वरिष्ठ अधिकारी भी स्टील कटिंग समारोह में उपस्थित थे।

डीएलआरएल में विश्व गुणवत्ता सप्ताह समारोह

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद, ने 20 दिसंबर 2024 को विश्व गुणवत्ता सप्ताह मनाया, जिसमें उच्चतम Q&R पहलुओं की पूरी श्रृंखला को शामिल किया गया। गुणवत्ता, विश्वसनीयता, और सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए तैनात किसी भी रक्षा प्रणाली की पहचान हैं। डीएलआरएल विशाल निर्यात क्षमता वाले विश्व स्तरीय ईडब्ल्यू सिस्टम विकसित कर रहा है। गुणवत्ता हमेशा ऐसी संभावित प्रणालियों के लिए आधारशिला रही है। सभी कर्मचारियों ने प्रश्नोत्तरी और नारा लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लिया और ऑनलाइन गुणवत्ता बनाए रखने का संकल्प लिया। भावी PDs को ध्यान में रखते हुए गुणवत्ता



प्रबंधन पर एक लक्षित और इन-हाउस डिजाइन किया गया पाठ्यक्रम भारतीय इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज (ESCI के

साथ आयोजित किया गया। व्याख्यान आयोजित किए गए और गुणवत्ता किट वितरित किए गए।

स्वच्छता पखवाड़ा समारोह

एएसएल, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद, ने 1-15 दिसंबर, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। इस अभियान में सामूहिक स्वच्छता शपथ शामिल थी। स्वच्छता रैली, सफाई अभियान, और वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। एएसएल कर्मचारियों के बच्चों के लिए स्वच्छता विषयक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी प्रतिभागियों को प्रशंसा के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध वैज्ञानिकों की पुस्तकें दी गईं।



कैसडिक, बंगलुरु

युद्धक विमान प्रणालियाँ एवं एकीकरण केन्द्र (कैसडिक), बंगलुरु, ने श्री राजीव मराठे, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख, कैसडिक, के नेतृत्व में 1-15 दिसंबर 2024 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया। इसके एक हिस्से के रूप में, सामूहिक स्वच्छता शपथ, श्रमदान गतिविधियाँ, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान, एकल प्रयोग प्लास्टिक के उपयोग को



त्यागने के अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। समारोह में कैसडिक, आईएएफ कार्मिक, आईडीएसटी, अनुबंध कर्मचारियों के सभी अधिकारियों ने भाग लिया।

डीएलआरएल, हैदराबाद

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद, ने 1-15 दिसंबर 2024 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। डीएलआरएल के सभी कर्मचारियों ने सामूहिक स्वच्छता शपथ में भाग लिया। एक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया और लगभग 60 पौधे लगाए गए। कर्मचारियों के लिए स्वच्छता नारे के साथ एक सेल्फी बूथ स्थापित किया गया ताकि वे आम जनता के बीच स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सेल्फी ले सकें और उन्हें सोशल मीडिया साइटों पर पोस्ट कर सकें।

एक सामूहिक सिग्नेचर अभियान आयोजित किया गया और कई कर्मचारियों ने अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। एक वीडियो प्रस्तुति द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का समापन किया गया, जिसमें पर्यावरण पर एकल-उपयोग प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला गया।



डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने 1-15 दिसंबर 2024 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया। दो सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता अभियान के अलावा, स्वच्छता शपथ, श्रमदान, स्वच्छता रैली, वृक्षारोपण, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्रतिमा पर सेल्फी बूथ, सिग्नेचर अभियान, एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को त्यागने का अभियान, तथा डीएमएसआरडीई की दीवारों पर स्वच्छता विषयक पेंटिंग जैसी विभिन्न दैनिक गतिविधियों की योजना बनाई गई एवं उन्हें क्रियान्वित किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन श्री शिलेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक 'जी', डॉ सुनील कुमार, वैज्ञानिक 'डी' तथा श्री शशि प्रकाश, तकनीकी अधिकारी 'बी' द्वारा किया गया।



एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु, ने 2 से 15 दिसंबर 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। इस कार्यक्रम के तहत, डॉ एसके दत्ता, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख, एमटीआरडीसी, द्वारा केंद्र में स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इसके अलावा, केंद्र में पोस्टर-मेकिंग एवं स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सबसे बेहतर वर्गों, जिनमें से एक तकनीकी श्रेणी से और एक गैर-तकनीकी श्रेणी से था, की पहचान की गई और उन्हें प्रयोगशाला स्थापना दिवस समारोह के दौरान पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में स्वच्छता दौड़ का भी आयोजन किया गया।



एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, ने 2-16 दिसंबर, 2024 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा मनाया।

एनपीओएल सागर आवासीय परिसर में वृक्षारोपण अभियान एक उल्लेखनीय गतिविधि थी, जिसका उद्घाटन शिककाकरा निर्वाचन क्षेत्र की विधायक श्रीमती उमा थॉमस ने किया। उन्होंने हरियाली पहल में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया, जहां 30 विदेशी पेड़ लगाए गए। एक प्रमुख केंद्रीय विषय एकल-उपयोग प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने पर भी था। इसके अलावा, अभिनव अपशिष्ट प्रबंधन समाधानों की खोज के लिए CMFRI,



एर्नाकुलम, का एक दौरा किया गया। श्री सिजोमन पी जे, वैज्ञानिक 'एफ' इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी थे।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, ने 2-17 दिसंबर, 2024 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। इस कार्यक्रम के दौरान, स्थलों की सफाई, परिसर को एकल-उपयोग प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए रुफटॉप का निर्माण और किसी भी प्रकार के जल जमाव वाले क्षेत्रों को

संबोधित करने पर विशेष जोर दिया गया। एक पौधारोपण अभियान एवं एक सेल्फी बूथ भी स्थापित किया गया, तथा जूट के बैग वितरित किए गए। वैज्ञानिकों, मुख्य सुरक्षा अधिकारी तथा अन्य अधिकारियों; एनएसटीएल सिविल कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री ए सुनील, संयुक्त सचिव श्री अंकित शर्मा; कार्य समिति के सदस्य श्री आलोक चंद; श्री बलराम कुमार; तथा अन्य कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्य और संपदा निदेशालय के लेफ्टिनेंट कर्नल राहुल दीक्षित ने इन गतिविधियों का आयोजन किया।



अंतरिक्ष के लिए इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (EW) प्रौद्योगिकियों पर पाठ्यक्रम

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद, द्वारा 9-13 दिसंबर, 2024 के दौरान 'अंतरिक्ष के लिए इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (EW) प्रौद्योगिकियों' पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना, भारतीय सेना, यूआरएससी (इसर्रो), एनटीआरओ, एआरसी, तथा डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

उद्घाटन समारोह में विभिन्न हस्तियों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से श्री एन श्रीनिवास राव, विशिष्ट



वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएलआरएल; श्री एसपी दाश, विशिष्ट वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त) एवं पूर्व निदेशक, डीएलआरएल, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतिष्ठित संकायों

और वक्ताओं के व्याख्यानो के अलावा, पाठ्यक्रम में उद्योग भागीदारों का महत्वपूर्ण योगदान शामिल था। डॉ ए के सिंह, वैज्ञानिक 'जी', पाठ्यक्रम निदेशक थे।

आईटीएम में मिड-करियर ट्रेनिंग ऑगमेंटेशन पर पाठ्यक्रम

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी, द्वारा नव पदोन्नत वैज्ञानिक 'डी' के लिए 'मिड करियर ट्रेनिंग ऑगमेंटेशन (MITRA 4.2)' पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। यह पाठ्यक्रम 25 नवंबर 2024 से 20 दिसंबर 2024 के दौरान आईटीएम में आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम का उद्देश्य नव पदोन्नत वैज्ञानिक 'डी' को परियोजना प्रबंधन, प्रौद्योगिकी प्रबंधन, सामग्री प्रबंधन, समूह गतिकी एवं टीम निर्माण, प्रयोगों के डिजाइन, नए उत्पाद विकास एवं डीआरडीओ के विभिन्न कॉर्पोरेट कार्यों के प्रति उन्मुख करना था।

इस पाठ्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री एम जेड सिद्दीकी, पूर्व विशिष्ट

वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एयरो) तथा श्री एसपी डोभाल, निदेशक, आईटीएम ने किया। डॉ विश्वजीत चौबे, निदेशक, सीडब्ल्यूएंडई, पाठ्यक्रम के समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि रहे। श्री अमरनाथ कोसगी, वैज्ञानिक 'ई'

इस पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक थे। डीआरडीओ के विभिन्न क्लस्टरों से कुल 24 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। मुख्य अतिथि ने 'चैलेंजेज इन डेवलपमेंट ऑफ एयरो इंजन' विषय पर उद्घाटन संबोधन दिया।



रक्षा विश्लेषण में मॉडलिंग और सिमुलेशन तकनीक पर पाठ्यक्रम

पध्दति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली, ने 2-6 दिसंबर 2024 के दौरान 'रक्षा विश्लेषण में मॉडलिंग और सिमुलेशन तकनीक' विषय पर एक पांच दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को रक्षा विश्लेषण समस्याओं के अध्ययन में उपयोग की जाने वाली गणितीय तकनीकों से परिचित कराना था। विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और ब्रह्मोस एयरोस्पेस से 23 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। आईआईटी-दिल्ली, जेआईआईटी-नोएडा, तथा ईसा के विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए, जिसके बाद सिस्टम विश्लेषण और अनुप्रयोग, मॉडलिंग और सिमुलेशन दृष्टिकोण,



अनुप्रयोगों के लिए अनुकूलन तकनीक और अन्य संबंधित अनुसंधान क्षेत्रों पर चार प्रदर्शन हुए। डॉ विकास कुमार

शर्मा, वैज्ञानिक 'एफ' पाठ्यक्रम निदेशक थे तथा श्री संकल्प कुमार शर्मा, वैज्ञानिक 'ई' उप-पाठ्यक्रम निदेशक थे।

क्वांटम प्रौद्योगिकी पर संगोष्ठी

डीआरडीओ मुख्यालय के भविष्य प्रौद्योगिकी प्रबंधन निदेशालय (डीएफटीएम) ने महानिदेशक (टीएम) डॉ सुब्रत रक्षित के नेतृत्व में 27 नवंबर 2024 को आईआईटी-दिल्ली में 'क्वांटम प्रौद्योगिकी' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में शिक्षा जगत, उद्योग, और सरकार के विचारक क्वांटम प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति और रोडमैप का पता लगाने के लिए एक साथ इकट्ठा हुए। डॉ रक्षित ने राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए एक परिवर्तनकारी प्रवर्तक के रूप में क्वांटम प्रौद्योगिकी पर जोर दिया। डीएफटीएम की निदेशक डॉ रंजना ने क्वांटम नवाचारों को अपनाने में तेजी लाने के लिए अनुसंधान संस्थानों, सरकार, और उद्योगों के बीच रणनीतिक सहयोग के महत्व पर जोर दिया।



राष्ट्रीय क्वांटम मिशन का प्रतिनिधित्व करने वाले डॉ जेबीवी रेड्डी ने क्वांटम कंप्यूटिंग, संचार, संवेदन, और सामग्रियों में क्षमताओं के निर्माण के लिए मिशन

के चरणबद्ध दृष्टिकोण का अवलोकन प्रदान किया, जिसमें अनुसंधान प्रयासों को रणनीतिक राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ संरेखित किया गया।

ईसा में सेंसर सिस्टम विश्लेषण और मॉडलिंग पर पाठ्यक्रम

पध्दति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली, ने 18-20 दिसंबर 2024 के दौरान 'सेंसर सिस्टम विश्लेषण और मॉडलिंग' विषय पर तीन दिवसीय पाठ्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को रडार, ईडब्ल्यू सिस्टम, सोनार, और उपग्रहों जैसे सेंसरों के मॉडलिंग और सिमुलेशन के आधार से परिचित कराना था।

विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और ब्रह्मोस एयरोस्पेस के अठारह प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। आईआईटी-दिल्ली, बीईएल (गाजियाबाद), और ईसा के विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। पाठ्यक्रम को पाठ्यक्रम



निदेशक श्री विशाल अग्रवाल, वैज्ञानिक सुरेश कुमार, वैज्ञानिक 'ई' के नेतृत्व में 'एफ' तथा उप-पाठ्यक्रम निदेशक श्री सफलतापूर्वक पूरा किया गया

एनएमआरएल में हाइड्रोजन 2025 पर सम्मेलन

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, ने 7 जनवरी 2025 को 'हाइड्रोजन 2025' नामक सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का उद्घाटन नीति आयोग के सदस्य, माननीय पद्म भूषण डॉ वीके सारस्वत ने किया, जो इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। पद्म श्री प्रो0 वेदाचलम, इसरो, तथा श्री आरवी हारा प्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएंडएम) ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। डॉ मनोरंजन पात्री, अध्यक्ष, सेप्टम; वाइस एडमिरल डीएसपी वर्मा (सेवानिवृत्त); रियर एडमिरल आशीष कुलकर्णी; एनएसएम क्लस्टर प्रयोगशालाओं डीएमएसआरडीई, डीएलजे और एनपीओएल के निदेशक; और सहयोगी डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिक सम्मेलन के लिए आमंत्रित अतिथि थे। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट



वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में तकनीकी सत्र शामिल थे, जिसमें शिक्षा जगत, उद्योगों, शोध संस्थानों और नीति आयोग के प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी से

संबंधित विस्तृत प्रस्तुतियाँ और चर्चाएँ शामिल थीं। सम्मेलन ने हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों के विकास और अपनाने को आगे बढ़ाने, हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने और हाइड्रोजन ऊर्जा के भविष्य को आकार देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य किया।

युद्धपोत निर्माण के लिए उन्नत वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों पर कार्यशाला

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ ने 8 जनवरी 2025 को 'युद्धपोत निर्माण के लिए उन्नत वेल्डिंग प्रौद्योगिकियां' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के सीएमडी श्री संजीव सिंघल ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यशाला में डॉ वाई श्रीनिवास राव, पूर्व महानिदेशक (एनएसएंडएम), डीआरडीओ की सहयोगी प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिक, शिक्षाविद, जहाज निर्माता, सहायक उद्योगों तथा एनएमआरएल के कर्मचारी शामिल हुए। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल, ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और संरचनात्मक घटकों में वेल्डिंग के महत्व पर प्रकाश



डाला। उन्होंने वेल्डिंग प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पारंपरिक प्रथाओं और हालिया रुझानों के विषय में चर्चा की। कार्यक्रम में श्री संजीव सिंघल ने जहाज निर्माणकर्ताओं द्वारा अपनाई जा रही उन्नत वेल्डिंग तकनीकों के महत्व, जहाज निर्माण में आने वाली चुनौतियों,

उभरती वेल्डिंग प्रौद्योगिकियों, जहाज निर्माण में गुणवत्ता आश्वासन पहलुओं आदि पर चर्चा करते हुए व्याख्यान दिया। इस सम्मेलन में वेल्डिंग तकनीकों की प्रदर्शनी भी शामिल थी। सम्मेलन का समापन डॉ बी बसु, वैज्ञानिक 'एच' के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

वायुसेना कर्मियों के लिए जागरूकता और स्वास्थ्य संवर्धन पर कार्यशाला

वायुसेना प्रमुख के वैज्ञानिक सलाहकार (SA to CAS) के कार्यालय द्वारा 16-17 दिसंबर 2024 को वायु सेना स्टेशन, रेस कोर्स, नई दिल्ली, में 'वायुसेना कर्मियों के बीच जागरूकता और स्वास्थ्य संवर्धन' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में एयर मार्शल तेजिंदर सिंह, एवीएसएम, वीएम एवं वायु सेना उप प्रमुख (डीसीएस) उपस्थित रहे। कार्यशाला को श्रीमती आशा त्रिपाठी, SA to CAS, द्वारा नियत किया गया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों मोर्चों पर भविष्य की चुनौतियों का सामना करने और अपने



सामर्थ्य को उजागर कर उन्हें अपनी आंतरिक जरूरतों और बाहरी मांगों को

संतुलित करने के लिए अपनी खुद की योजनाएं और रणनीति विकसित करने

के लिए तैयार करना था। इसे AFNET पर लाइव प्रसारित किया गया ताकि सभी वायु सेना स्टेशनों को कवर किया जा सके। डीआईपीआर, आईएफ, और दिल्ली विश्वविद्यालय से विशेषज्ञ

संकायों को आमंत्रित किया गया।

डॉ मानस के मंडल, विजिटिंग प्रोफेसर, आईआईटी खड़गपुर एवं पूर्व महानिदेशक, डीआरडीओ ने 'खुशी का विज्ञान' विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया। समापन सत्र

की अध्यक्षता एयर मार्शल एस के विधाते, एवीएसएम, वाईएसएम, वीएम और एयर ऑफिसर-इन-चार्ज ऑफ पर्सनेल (एओपी) ने की। कार्यशाला का समापन श्रीमती त्रिपाठी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एनडीआरएफ बचावकर्मियों के लिए नागपुर में लाइव केमिकल वारफेयर एजेंट पर पाठ्यक्रम

रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई), नागपुर, में रासायनिक रक्षा उपकरण मूल्यांकन सुविधा (सीडीईएफ) जुलाई 2022 से तीनों सेनाओं, एनएसजी और एसपीजी को लाइव केमिकल एजेंट पर उन्नत प्रशिक्षण दे रही है। इसका लक्ष्य देश को रासायनिक रक्षा में आत्मनिर्भर बनाना और रासायनिक आपात स्थितियों के लिए तैयार रह कर जवाबी कार्रवाई करना है। इन पाठ्यक्रमों ने अब तक 550 लोगों को प्रशिक्षित किया है। एसडीआरएफ, आईटीबीपी, आईसीजी, एनडीआरएफ, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, राज्य पुलिस, भारतीय सेना और बीएसएफ जैसे विभिन्न सशस्त्र बलों से मिलकर बने एनडीआरएफ के बचावकर्मियों को



रासायनिक युद्ध एजेंटों (CWA) से जुड़ी किसी भी अप्रिय रासायनिक घटना को संभालने और प्रबंधित करने के लिए व्यापक और कठोर प्रशिक्षण दिया गया है।

पाठ्यक्रम का उद्घाटन डॉ मनमोहन परिदा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक,

डीआरडीई, द्वारा किया गया तथा प्रशिक्षण मॉड्यूल को पाठ्यक्रम निदेशक डॉ विधान चंद्र बाग, वैज्ञानिक 'जी' एवं ओआईसी-सीडीईएफ, नागपुर के नेतृत्व में सीडीईएफ वैज्ञानिकों द्वारा सावधानीपूर्वक डिजाइन और क्रियान्वित किया गया है।

डीआईबीटी में दीर्घकालीन रसद प्रबंधन पाठ्यक्रम

रक्षा जैव-रक्षा प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईबीटी), मैसूर द्वारा 16 जनवरी 2025 को 43वें दीर्घकालीन रसद प्रबंधन पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। पाठ्यक्रम को विशेष रूप से आईएनएस हमला, मुंबई, में एक वर्षीय रसद प्रबंधन पाठ्यक्रम से गुजरने वाले रसद अधिकारियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया।

इस कार्यक्रम में भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के कुल 24 अधिकारियों के साथ-साथ मित्र देशों, अर्थात् घाना, श्रीलंका, बांग्लादेश,



कैमरून, बेनिन, म्यांमार, और तंजानिया के 14 अधिकारियों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम में व्याख्यान सत्रों के बाद डीआईबीटी की प्रौद्योगिकियों, उत्पादों, उपकरणों, मशीनरी, और फील्ड टेस्ट

किटों का प्रदर्शन किया गया। डॉ आर कुमार, वैज्ञानिक 'जी' एवं केंद्र प्रमुख, डीआईबीटी ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया तथा डॉ वी ए सजीव कुमार, वैज्ञानिक 'जी' पाठ्यक्रम समन्वयक थे।

एनएसटीएल में नौसेना अनुप्रयोगों के लिए यांत्रिक संरचनाओं और प्रणालियों पर पाठ्यक्रम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, द्वारा 9-13 दिसंबर 2024 के दौरान 'नौसेना अनुप्रयोगों के लिए यांत्रिक संरचना और प्रणालियाँ' विषय पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ अब्राहम वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया, डॉ एचएन दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं एडी एवं पीडी (एचईएयूवी) तथा पाठ्यक्रम निदेशक डॉ वाई अप्पा राव, वैज्ञानिक 'जी' एवं समूह निदेशक (एमएसडी एंड आई) ने भाग लिया। निदेशक, एनएसटीएल ने अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर सिमुलेशन टूल और मरीन ग्रेड सामग्री एवं मिश्रित सामग्री जैसे सामग्रियों



का उपयोग करके यांत्रिक डिजाइन और डिजाइन सिमुलेशन में उन्नति के महत्व पर प्रकाश डाला।

मुख्य संबोधन डॉ अजित कुमार, वैज्ञानिक 'एच' (सेवानिवृत्त), पूर्व निदेशक, एनपीओएल द्वारा दिया गया।

वीआरडीई, अहमदनगर में पाठ्यक्रम

नए भर्ती किए गए भंडार सहायकों और प्रशासनिक सहायकों के लिए परिचयात्मक कार्यक्रम

वाहन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (वीआरडीई), अहमदनगर, में 16-17 दिसंबर, 2024 के दौरान नए भर्ती किए गए भंडार सहायकों और प्रशासनिक सहायकों के लिए दो दिवसीय परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कई सत्रों में कुल 15 व्यक्तियों को विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। सत्रों में डीआरडीओ का संगठन

और कामकाज, वीआरडीई संरचना और परियोजनाएं, सरकारी कर्मचारियों के लिए आचरण नियम, छुट्टी के नियम, वेतन एवं भत्ते, एलटीसी एवं चिकित्सा प्रतिपूर्ति शामिल थे। निदेशक के साथ बातचीत का भी आयोजन किया गया। अपने संबोधन में निदेशक ने नए नियुक्त लोगों को ईमानदारी और सौंपे गए कार्य के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने उन्हें रक्षा और साइबर सुरक्षा के मुद्दों के प्रति सतर्क रहने के लिए भी आगाह किया।

एमटेक (रक्षा प्रौद्योगिकी) के लिए प्रयोगशाला कक्षाएं

पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, 18-20 दिसंबर 2024 के दौरान वीआरडीई में 'सिस्टम वारफेयर प्लेटफॉर्म' विषय पर एमटेक (रक्षा प्रौद्योगिकी) प्रयोगशाला कक्षाएं आयोजित की गईं।

VJIT-मुंबई, DKTE-इचलकरंजी

तथा MIT-मणिपाल, उडुपी, के कुल 21 छात्रों ने कक्षाओं में भाग लिया। कक्षाओं ने छात्रों को सिस्टम वारफेयर प्लेटफॉर्म के क्षेत्र में वीआरडीई द्वारा विकसित विभिन्न अत्याधुनिक तकनीकों से अवगत कराया।

छात्रों को विभिन्न युद्ध प्लेटफॉर्म जैसे कि WhAP, WhAP CBRN, MGS और विभिन्न AFV के डिजाइनरों के साथ बातचीत करने और उनसे सीखने का अवसर मिला। उन्हें युद्ध मंच के मूल सिद्धांतों, वास्तुकला और उन्नत डिजाइन सुविधाओं से परिचित कराया गया।



डीएलआरएल में साइबर सुरक्षा जागरूकता माह

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद, ने 18 दिसंबर 2024 को साइबर जागरूकता माह मनाया, और प्रसिद्ध वक्ता श्री अयूब शेख, हंटमेट्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, ने 'साइबर सुरक्षा और इंसीडेंस रिपोर्ट प्रबंधन में नवीनतम रुझान' विषय पर एक व्यावहारिक प्रस्तुति दी। इसके अलावा, कई गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं, जैसे ऑनलाइन साइबर प्रतिज्ञा लेना, इंटरनेट के माध्यम से जागरूकता पैदा करना, और विभिन्न डीएलआरएल विभागों के सभी साइबर प्रतिनिधियों ने इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ESCI) में साइबर सुरक्षा पर अनुकूलित प्रशिक्षण प्राप्त किया।



एआरडीई में डेसीडॉक द्वारा जागरूकता कार्यक्रम

डॉ. के. नागेश्वर राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डेसीडॉक, दिल्ली, द्वारा 20 दिसंबर 2024 आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे, में DRONA पर डिजिटल लाइब्रेरी एवं ई-संसाधन विषय पर एक प्रस्तुति-सह-प्रदर्शन दिया गया। उन्होंने डिजिटल लाइब्रेरी की विशेषताओं पर प्रकाश डाला, जिसमें विभिन्न ई-संसाधनों, जैसे कि पुस्तकें, पत्रिकाएँ, मानक, सम्मेलन कार्यवाही आदि से जुड़े लगभग 10 लाख पूर्ण-पाठ पीडीएफ हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों की सूचना और शोध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस डिजिटल लाइब्रेरी की विभिन्न विशेषताओं और कार्यात्मकताओं का भी उल्लेख किया। प्रस्तुति में एआरडीई के सभी वैज्ञानिक बी, सी एवं डी उपस्थित



थे। इस अवसर पर श्री ए. राजू, निदेशक, एआरडीई, ने उन्हें सम्मानित किया।

एसएसपीएल में POSH एक्ट पर कार्यशाला

दोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल), दिल्ली, ने 24 दिसंबर 2024 को POSH एक्ट एवं लिंग संवेदनशीलता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ मीना मिश्रा, निदेशक, एसएसपीएल, ने अपने संबोधन में महिला एवं पुरुष दोनों के लिए सम्मानजनक, स्वस्थ, और समावेशी

कार्यस्थल बनाने के लिए कार्यशाला के महत्व को दर्शाया। दिल्ली उच्च न्यायालय की अधिवक्ता गौरी सिंह ने POSH एक्ट की बुनियादी जागरूकता के साथ संवादात्मक कार्यशाला का संचालन किया और फिर एक प्रश्नोत्तर गतिविधि के माध्यम से प्रतिभागियों की लैंगिक संवेदनशीलता की जांच की।

कार्यक्रम का समापन निदेशक, एसएसपीएल, द्वारा वक्ता के अभिनंदन और हाल ही में गठित आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के औपचारिक परिचय के साथ हुआ। आईसीसी-एसएसपीएल की अध्यक्ष डॉ जया लोहानी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

डीएलजे में सेवानिवृत्ति योजना पर पाठ्यक्रम

डीआरडीओ मुख्यालय के मानव संसाधन विकास निदेशालय (डीएचआरडी) द्वारा रक्षा प्रयोगशाला (डीएल), जोधपुर, के सहयोग से 6-7 जनवरी 2025 के दौरान 'सेवानिवृत्ति योजना' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं और स्थापनाओं के कुल 33 अधिकारियों ने भाग लिया। डीआरडीओ, एम्स-जोधपुर, जेएनवीयू, जोधपुर और चार्टर्ड अकाउंटेंट के विशेषज्ञ वक्ताओं



ने SPARSH, स्वास्थ्य एवं कल्याण, तनाव प्रबंधन, जीवनशैली पुनर्रचना,

वित्तीय नियोजन, निवेश निर्णय आदि पर व्याख्यान दिए।

आईटीआर में डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के ICs के लिए कार्यशाला

एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चांदीपुर, तथा डीओपी, डीआरडीओ मुख्यालय, ने संयुक्त रूप से 17-18 जनवरी 2025 के दौरान पीठासीन अधिकारियों / ICs के सदस्यों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन श्रीमती यू जया संधी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) ने निदेशक, आईटीआर तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया। सत्र की शुरुआत श्री संजय कुमार द्विवेदी, निदेशक, डीओपी द्वारा गतिविधियों के अवलोकन से हुई।



इसके बाद अपर निदेशक सुश्री निशि श्रीवास्तव द्वारा प्रारंभिक जांच के चरणों पर, डीओपी के संयुक्त निदेशक श्री संदीप सिंह द्वारा (सीसीए) नियम,

1965 के नियम 14 के तहत जांच की प्रक्रिया पर तथा डीओपी के उप निदेशक श्री सम्पूर्ण कुमार द्वारा महत्वपूर्ण केस अध्ययनों पर सत्र आयोजित किए गए।

राजभाषा सम्मेलन-उन्मेष-2025

डीआरडीओ मुख्यालय और अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), हैदराबाद ने संयुक्त रूप से विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर 10-11 जनवरी 2025 के दौरान 'सतत विकास के लिए विज्ञान' विषय पर दूसरा अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन उन्मेष-2025 आयोजित किया। गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की सचिव श्रीमती अंशुली आर्य ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उद्घाटन सत्र के दौरान सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ; श्री यू राजा बाबू, महानिदेशक (एमएसएस); श्री अनिंद विश्वास, निदेशक, आरसीआई; श्री सुनील शर्मा, निदेशक, डीपीएआरओएंडएम तथा कई अन्य सम्मानित अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा



बढ़ाई। सम्मेलन के भाग के रूप में, प्रमुख तकनीकी संगठनों/विश्वविद्यालयों से शोध पत्र आमंत्रित किए गए, जिनमें कुछ महत्वपूर्ण नाम इसरो, बीएआरसी, डीआई, आईसीएआर, आईएआरआई, आईआईटी, एनआईटी, डीटीयू हैं। कुल 180 शोध पत्र प्राप्त हुए और 42 प्रस्तुतियाँ हिंदी माध्यम में और एक सत्र तेलुगु भाषा में

किया गया। डॉ एमके गुप्ता वैज्ञानिक 'जी' तथा श्री चंद्र प्रकाश मीना, वैज्ञानिक 'ई' सह-संयोजक के रूप में और श्री काजिम अहमद, सहायक निदेशक (ओएल); श्रीमती अरुणकमल, सहायक निदेशक (ओएल) ने समन्वयक के रूप में कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एसएसएस क्लस्टर की राजभाषा संगोष्ठी

डीआरडीओ के सोल्जर सपोर्ट सिस्टम (एसएसएस) क्लस्टर ने डीपीएआरओएंडएम, डीआरडीओ मुख्यालय दिल्ली के सहयोग से 12-13 दिसंबर 2024 को रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर में 'विकसित भारत में रक्षा प्रौद्योगिकी का योगदान' विषय पर अपनी पहली संयुक्त राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया। डीआरएल के निदेशक डॉ डीवी कंबोज ने अपने स्वागत संबोधन में वैज्ञानिक लेख लिखने के लिए हिंदी के उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक प्रयासों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। तेजपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० शंभू नाथ सिंह ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के



रूप में भाग लिया। डीपीएआरओएंडएम के निदेशक डॉ सुनील शर्मा, डीआईआईटीएम के निदेशक श्री अरुण चौधरी और ब्रिगेडियर ईएमई 4 कोर के ब्रिगेडियर सुजीत उपाध्याय ने भी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

के रूप में शिरकत की। समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में नेरीवाल्म के निदेशक डॉ पीके बोरा उपस्थित थे। कार्यक्रम में डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

डेसीडॉक में हिंदी कार्यशाला

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली, द्वारा 17 दिसंबर 2024 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन, डॉ के नागेश्वर राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डेसीडॉक, ने किया। कार्यशाला के वक्ता, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी), दिल्ली के वैज्ञानिक 'एफ' श्री गिरीश मिश्रा थे। उन्होंने ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी और क्रिप्टो करेंसी-इसके लाभ, निहितार्थ और दैनिक जीवन में इसके उपयोग के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बात की। यह व्याख्यान काफी जानकारीपूर्ण था और सभी ने इसकी सराहना की। कार्यशाला में डेसीडॉक के कर्मचारियों ने भाग लिया।



एनएसटीएल में हिंदी कार्यशाला

हिंदी कार्यान्वयन कार्यक्रम के भाग के रूप में, 19 दिसंबर, 2024 को नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम, में सभी संवर्गों के लिए राजभाषा कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य अधिकाधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी में रुचि दिलाना तथा उन्हें काम में हिंदी के प्रयोग के बारे में होने वाले किसी भी डर से मुक्त करना था। आमंत्रित वक्ता श्री घनश्याम प्रसाद नामदेव, सहायक निदेशक, हिंदी, शिक्षण योजना, जबलपुर द्वारा एक ही सत्र में 'कम्प्यूटर में हिंदी सॉफ्टवेयर का प्रयोग' विषय पर व्याख्यान दिया गया। प्रशिक्षुओं ने एक संवादात्मक सत्र में भी भाग लिया। कार्यशाला में सभी संवर्गों से कुल 120 प्रतिभागियों



ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्री विवेक अधिकारी ने उपस्थित लोगों का शर्मा, वैज्ञानिक 'एफ' एवं राजभाषा आभार व्यक्त किया।

नियुक्तियाँ

सीईओ, गैटेक, हैदराबाद



डॉ जी साई सरवानन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं वैज्ञानिक 'एच', ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल), दिल्ली, को 1 नवंबर 2024 को गैलियम आर्सेनाइड इनेबलिंग टेक्नोलॉजी सेंटर (गैटेक), हैदराबाद, के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में नियुक्त किया गया है। वे वर्ष 1991 में एसएसपीएल में शामिल हुए और वर्ष 2000 में एसएसपीएल एमएमआईसी रिसर्च सेंटर (एसएमआरसी) बनाने और उसका नेतृत्व करने के लिए गैटेक चले गए। डॉ सरवानन ने भरतीदासन विश्वविद्यालय, तमिलनाडु से MSc (भौतिकी), कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई से लेजर और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल इंजीनियरिंग में MTech और हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद के भौतिकी स्कूल से PhD पूरी की। उन्हें 2001 में रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार द्वारा 'उत्कृष्ट टीम वर्क पुरस्कार', 2003 में 'वर्ष के वैज्ञानिक', 2010 में 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान' और 2010 में 'प्रौद्योगिकी समूह पुरस्कार' तथा इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स पब्लिशिंग (आईओपी), यूके से अंतरराष्ट्रीय जर्नल सेमीकंडक्टर साइंस एंड टेक्नोलॉजी के अपने स्थापना वर्ष में सहकर्मी समीक्षा के लिए 'वर्ष 2016 के समीक्षक' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उच्च योग्यता अर्जन



डॉ सिद्धप्पाजी बी, वैज्ञानिक 'एफ', वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई), बेंगलुरु, को उनके थीसिस शीर्षक 'इंटीग्रेशन ऑफ ड्रॉन्स/युएवी ईनटु इंडियन सिविल नेशनल एयर स्पेस सिस्टम-रेगुलेटरी फ्रेमवर्क फॉर कमर्शियल यूसेज ऑफ ड्रॉन्स' के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।



रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद से डॉ एस रमेश कुमार, वैज्ञानिक 'जी' को उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्वारा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी प्रदान की गई।



श्री कृष्णकुमार आर, वैज्ञानिक 'ई', नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, को कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से विज्ञान संकाय के तहत उनके थीसिस शीर्षक 'सिमुलेशन एंड एक्सपेरिमेंटल वेलिडेशन ऑफ सेल्फ-नॉइज इन पीजोइलेक्ट्रिक ट्रांसड्यूसर्स एंड एनहांसमेंट ऑफ परफॉरमेंस केरक्टरिस्टिक्स बाई ब्रॉडबैंड टूनिंग' के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।



श्री राजीव आर अशोकन, वैज्ञानिक 'ई', नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि, को कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से विज्ञान संकाय के तहत उनके थीसिस शीर्षक 'एन इन्वेस्टिगेशन ऑन दी डिजाइन, फेब्रिकेशन एंड केरेक्टराइजेशन ऑफ सेंसरस फॉर ओसियन प्रोफाइलिंग' के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

डीएलजे ने FRACAS प्रतियोगिता पुरस्कार जीता

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे) को एनएसएंडएम क्लस्टर प्रयोगशालाओं के बीच विफलता रिपोर्टिंग और सुधारात्मक कार्रवाई प्रणाली (FRACAS) प्रतियोगिता पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। सचिव डीडीआरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ द्वारा स्थापित इस पुरस्कार का उद्देश्य उत्पाद विकास के दौरान विफलता विश्लेषण और रिपोर्टिंग के माध्यम से सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

श्री वीएस शेनॉय, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएलजे ने श्री आर वी हारा प्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएंडएम) के साथ-साथ श्री दिनेश कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक 'एफ' एवं पीडी गगनयान (डीएलजे) तथा श्री संजय कुमार शर्मा, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख क्यू एंड आर (डीएलजे) से 28 नवंबर, 2024



को विशाखापत्तनम में आयोजित 66वें एनएसएंडएम सीसीएम के दौरान यह पुरस्कार प्राप्त किया।

डीएलजे को इसरो के गगनयान मिशन के लिए एक्टिव डोसिमीटर 'PERDAA' के विकास के दौरान

सर्वश्रेष्ठ FRACAS केस स्टडी प्रस्तुत करने के लिए सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार उत्पाद विकास प्रक्रिया के दौरान विफलताओं से सीख लेकर निरंतर सुधार के लिए डीएलजे की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

डीआरडीओ सेंट्रल जोन वॉलीबॉल प्रतियोगिता

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 18-20 दिसंबर 2024 के दौरान डीआरडीओ सेंट्रल जोन वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में डीएमआरएल, डीआरडीएल, आरसीआई, एएसएल, डीएलआरएल, एनएसटीएल, आईटीआर, और पीएक्सई सहित विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली आठ टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ आर बालमुरलीकृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल ने अधिकारियों, कर्मचारियों और भाग लेने वाली टीमों की उपस्थिति में किया। डॉ ओम प्रकाश परिदा, वैज्ञानिक 'एफ' एवं अध्यक्ष, सेंट्रल जोन स्पोर्ट्स काउंसिल; श्री विनोद कुमार, एस्टेट मैनेजर, ईएमयू कंचनबाग; डॉ एनवी रामा राव, वैज्ञानिक



'एफ' एवं अध्यक्ष, डीएमआरएल वर्क्स कमेटी; डॉ एम प्रेम कुमार, वैज्ञानिक 'ई' एवं अध्यक्ष, डीएमआरएल स्पोर्ट्स कमेटी; श्री एमसी चेन्नप्पा नाइक, सचिव, डीएमआरएल स्पोर्ट्स कमेटी; इस अवसर पर डीएमआरएल वर्क्स कमेटी के सचिव श्री अनिल बर्डे, स्थानीय प्रयोगशालाओं के जेसीएम III सदस्य और डीएमआरएल

के यूनिजन सदस्य उपस्थित थे।

टीम आरसीआई प्रतियोगिता चैंपियन बनी, जबकि टीम डीएलआरएल ने उपविजेता का स्थान हासिल किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री रामकृष्ण ने विजेता टीमों को ट्रॉफी और पदक प्रदान किए और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

डीआरडीओ नॉर्थ जोन वॉलीबॉल प्रतियोगिता

रक्षा सामग्री एवं भण्डार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर, ने 17-19 दिसंबर 2024 के दौरान एसएसपीएल, दिल्ली में आयोजित डीआरडीओ नॉर्थ जोन वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2024-25 जीती। कुल मिलाकर, सहयोगी प्रयोगशालाओं की 13 टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया, जिनमें टीबीआरएल, ईनमास, सीफीस, डील, आईआरडीई, डीएमएसआरडीई, ईएसा, डीएलजे, एडीआरडीई, डेसीडॉक, जेसीबी, आईटीएम और मेजबान एसएसपीएल शामिल हैं।



डीएमएसआरडीई के उत्कृष्ट को बधाई और शुभकामनाएं दीं। वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ मयंक द्विवेदी प्रतियोगिता के दौरान डील, देहरादून ने विजेता वॉलीबॉल टीम के खिलाड़ियों उपविजेता टीम रही।

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में आगंतुक

एआरडीई, पुणे

● कॉलेज ऑफ मैटेरियल्स मैनेजमेंट (सीएमएम), जबलपुर में एडवांस्ड मैटेरियल्स मैनेजमेंट (AMM) पाठ्यक्रम संख्या 53 कर रहे लेफ्टिनेंट कर्नल, मेजर और कैप्टन रैंक के पच्चीस अधिकारियों (जिनमें तीन विदेशी नागरिक शामिल हैं) ने एक डायरेक्टिंग स्टाफ सदस्य के साथ 13 दिसंबर 2024 को आयुध अनुसंधान एवं विकास स्थापना (एआरडीई), पुणे का दौरा किया। आगंतुकों को एआरडीई के बारे में जानकारी दी गई तथा 'विस्फोटक और गोला-बारूद हैंडलिंग में सुरक्षा पहलु' विषय पर एक प्रस्तुति दी गई। इस दौरे में छोटे हथियारों का प्रदर्शन और सिस्टम बे का दौरा भी शामिल था।

● एडवांस्ड एम्युनिशन एंड एक्सप्लोसिव्स टेक्नीशियन पाठ्यक्रम संख्या 20 (AAET Sr No 20) कर रहे सब इंस्पेक्टर और हवलदार रैंक के सोलह छात्रों और एक डायरेक्टिंग स्टाफ सदस्य ने 16 दिसंबर 2024 को



कॉलेज ऑफ मैटेरियल्स मैनेजमेंट (सीएमएम), जबलपुर के अधिकारी एआरडीई, पुणे में

एआरडीई का दौरा किया। आगंतुकों को एआरडीई के बारे में जानकारी दी गई और उनके सामने 'इन्फैंट्री वेपन्स' पर एक प्रेजेंटेशन दिया गया। दौरे के दौरान स्टैटिक एक्सपोजिशन हॉल का दौरा भी आयोजित किया गया।



AAET Sr No 20, के छात्र, एआरडीई, पुणे में

केयर, बेंगलुरु

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, एवीएसएम, वीएसएम, वाइस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ (वीसीएनएस), ने 24 दिसंबर 2024 को कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु का दौरा किया। डॉ ऋतुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर द्वारा ब्रीफिंग दी गई, जिसके बाद केयर द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों पर चर्चा और प्रदर्शन किया गया।



वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, केयर, बेंगलुरु में अपने दौरे के दौरान

सीवीआरडीई, चेन्नई

80वें स्टाफ कोर्स के एक भाग के रूप में, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज के अंतर्राष्ट्रीय छात्र अधिकारियों सहित 130 रक्षा अधिकारियों की एक टीम ने 15 जनवरी, 2025 को संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास संस्थापन (सीवीआरडीई), चेन्नई का अपना पहला दौरा किया। श्री जे राजेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीवीआरडीई, तथा श्री टी पन्नीर सेल्वम, वैज्ञानिक 'जी' एवं एडी ने अधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरे के दौरान, रक्षा सेवा स्टाफ के छात्रों ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ बैठक की और भारतीय सेना के लिए बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों (एएफवी) के विकास में सीवीआरडीई द्वारा किए गए प्रौद्योगिकी-गहन परियोजनाओं की प्रगति को समझा। आने वाले छात्रों ने सीवीआरडीई द्वारा विकसित उन्नत प्रणालियों के प्रति गहरी रुचि दिखाई और सीवीआरडीई की इन-हाउस (आरएंडडी) सुविधाओं को देखा। इस दौरे का समन्वय डॉ धनलक्ष्मी एस वैज्ञानिक 'जी', एडी (पीसी एंड एचआर) एवं एएफवी टीम द्वारा किया गया।



रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज के अधिकारी, सीवीआरडीई, चेन्नई में अपने पहले दौरे के दौरान



रियर एडमिरल के वेंकटराम, डील, देहरादून में अपने दौरे के दौरान डील के उत्पादों को देखते हुए

डीएल, देहरादून

● रियर एडमिरल के वेंकटराम, एसीएनएस (सीएस, एनसीओ), वीएसएम ने 13 दिसंबर, 2024 को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून का दौरा किया।

प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ सुश्री नीता कांडपाल, वैज्ञानिक 'जी' एवं कार्यवाहक निदेशक ने उनका स्वागत किया। उन्होंने एक प्रस्तुति दी जिसमें डील के इतिहास, विकसित उत्पादों,

तकनीकी प्रगति और भविष्य के रोडमैप पर प्रकाश डाला गया। रियर एडमिरल वेंकटराम ने सभी नौसेना परियोजनाओं की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने संयुक्त सेवा वेवफॉर्म पर विस्तृत

चर्चा की और डील की UCS, HEAVU, और ISR परियोजनाओं में रुचि दिखाई।

● डॉ आरती दीवान गुप्ता, आईडीएएस, आईएफए (आरएंडडी) ईसीएस ने 16 दिसंबर 2024 को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील) देहरादून का दौरा किया। श्री एलसी मंगल विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डील ने प्रबंधन परिषद के सदस्यों और प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ उनका स्वागत किया। डील परियोजनाओं के अवलोकन और आगे की रूपरेखा के बारे में उन्हें एक प्रस्तुति दी गई। प्रस्तुति के बाद, आईएफए (आरएंडडी) ईसीएस ने खरीद मामलों/ वित्तीय मामलों के विभिन्न पहलुओं के बारे में वरिष्ठ वैज्ञानिकों और परियोजना निदेशकों के साथ बातचीत की।

● डॉ विश्वजीत चौबे, निदेशक, डीसीडब्ल्यूई ने डॉ अनिल खुराना, सीसीई, उत्तर के साथ 19 दिसंबर 2024 को डील, देहरादून का दौरा किया। सुश्री नीता कांडपाल, वैज्ञानिक 'जी' इस यात्रा के दौरान, समूह निदेशक ने डीसीडब्ल्यूई के निदेशक को चल रही परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी और जी7 भवन तथा बहुमंजिला पार्किंग सुविधा सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के विकास का प्रस्ताव रखा। डॉ चौबे और डॉ खुराना ने इन पहलों के लिए अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया, जिससे डीसीडब्ल्यूई, एमईएस, ईएमयू और डीईएल के बीच मजबूत सहयोग को बढ़ावा मिला।

डीआईबीटी, मैसूर

● 12 दिसंबर 2024 को डॉ मनोरंजन पत्री वैज्ञानिक 'एच' (सेवानिवृत्त) उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, सेप्टम तथा सुश्री सुनीता वढेरा, निदेशक, सेप्टम ने रक्षा जैव-रक्षा प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईबीटी), मैसूर का दौरा किया। डॉ आर कुमार, केंद्र प्रमुख, डीआईबीटी ने विशिष्ट आगंतुकों का गर्मजोशी से स्वागत किया। डॉ कुमार ने संस्थान के



डॉ आरती दीवान गुप्ता, प्रयोगशाला में अपने दौरे के दौरान डील उत्पादों में रुचि दिखाती हुई



डील, देहरादून में डॉ अनिल खुराना के साथ डॉ विश्वजीत चौबे



डीआईबीटी, मैसूर में अपने दौरे के दौरान डॉ मनोरंजन पत्री, वैज्ञानिक 'एच'

बुनियादी ढांचे, मिशन और चल रही अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए एक व्यापक प्रस्तुति दी, जिसमें इसरो के तहत मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र (एचएफएससी) की

गगनयान परियोजना में डीआईबीटी का महत्वपूर्ण योगदान शामिल है। आगंतुकों ने डीआईबीटी के डीआरटीसी कर्मचारियों के साथ एक संवादात्मक सत्र में भी भाग लिया।

● एएससी सेंटर एंड कॉलेज, बेंगलुरु के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल जे के गेरा ने 26 नवंबर, 2024 को डीआईबीटी, मैसूर का दौरा किया। सम्मानित आगंतुक डॉ आर कुमार, केंद्र प्रमुख, डीआईबीटी द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। डॉ कुमार ने एक विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से लेफ्टिनेंट जनरल जे के गेरा को संस्थान के बुनियादी ढांचे, मिशन और चल रही परियोजना गतिविधियों का गहन अवलोकन कराया। लेफ्टिनेंट जनरल जे के गेरा ने डीआईबीटी प्रदर्शनी हॉल का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने संस्थान की विविध प्रकार की अनुसंधान और विकास गतिविधियों में गहरी रुचि दिखाई। प्रदर्शनी में रक्षा अनुप्रयोगों के लिए अनुकूलित खाद्य विज्ञान और जैव-रक्षा में नवीन तकनीकों और प्रगति पर प्रकाश डाला गया।



डीआईबीटी, मैसूर, में अपने दौरे के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल जे के गेरा

डीएमएसआरडीई, कानपुर

● 23 दिसंबर 2024 को रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर में एक औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में सरकारी हाई स्कूल, बिठूर, कानपुर के सात संकाय सदस्यों के साथ एक सौ सात वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों ने भाग लिया। उन्हें प्रयोगशाला द्वारा की जा रही विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों ने स्थापना के विभिन्न तकनीकी प्रभागों का भी दौरा किया। डॉ गोबरधन लाल, वैज्ञानिक 'एफ' और उनकी टीम ने इस दौरे का समन्वय किया।



डीएमएसआरडीई, कानपुर में औद्योगिक दौरा

● यूपी किराना सेवा समिति बालिका विद्यालय, कानपुर के एक सौ वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों ने 23 दिसंबर, 2024 को डीएमएसआरडीई, कानपुर का दौरा किया। छात्रों को उनके 5 शिक्षकों के साथ प्रयोगशाला द्वारा की जा रही विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। डीएमएसआरडीई ने छात्रों को गैर-धातु सामग्री के क्षेत्र में विभिन्न उत्पादों और



डीएमएसआरडीई, कानपुर में यू पी किराना सेवा समिति बालिका विद्यालय, कानपुर के छात्र

प्रौद्योगिकियों का भी प्रदर्शन दिया। डॉ गोबरधन लाल, वैज्ञानिक 'एफ' और उनकी टीम ने इस दौरे का समन्वय किया।

डीआरडीओ मुख्यालय, दिल्ली

एयर मार्शल एसपी धारकर, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाइस चीफ ऑफ द एयर स्टाफ (वीसीएस) ने 22 नवंबर 2024 को डीआरडीओ मुख्यालय में स्थित डीआरडीओ अभिलेखीय और पुनर्प्राप्ति प्रणाली (DARS) सुविधा का दौरा किया। वीसीएस ने अत्याधुनिक डिजिटलीकरण और माइक्रोफिल्मिंग प्रौद्योगिकियों में गहरी रुचि व्यक्त की। इस यात्रा का समन्वयन वायु सेना प्रमुख की वैज्ञानिक सलाहकार, श्रीमती आशा त्रिपाठी ने किया, जिससे वाइस चीफ के लिए एक सहज और जानकारीपूर्ण अनुभव सुनिश्चित हुआ। अपनी यात्रा के दौरान, उन्हें श्री सुनील शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डीपीएआरओएंडएम द्वारा जानकारी दी गई, जिन्होंने लाइव प्रदर्शन सहित सुविधा की क्षमता और प्रगति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने प्रगति के एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में अभिलेखीय प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण पर सुविधा के फोकस पर प्रकाश डाला। श्री सौरभ शुक्ला, वैज्ञानिक 'एफ' तथा श्री सीपी मीना, वैज्ञानिक 'एफ' ने सर्वर सॉफ्टवेयर और सुविधा के माइक्रोफिल्मिंग भाग की मुख्य विशेषताओं के बारे में भी बताया।

आईआरडीई, देहरादून

महानिदेशक (ईसीएस) क्लस्टर के कार्यालय में आईएफए (आरएंडडी) डॉ आरती दीवान गुप्ता (आईडीएएस) ने 17 दिसंबर 2024 को यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून का दौरा किया। उनका स्वागत डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई ने किया। डॉ अजय कुमार



एयर मार्शल एसपी धारकर, डीआरडीओ मुख्यालय में DARS सुविधा का मुआयना करते हुए



आईआरडीई, देहरादून में अपने दौरे के दौरान डॉ आरती दीवान गुप्ता

ने आईआरडीई द्वारा की गई प्रमुख अनुसंधान पहलों और आईआरडीई द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आईआरडीई के विभिन्न उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी जिन्हें विकसित और सेवाओं में शामिल किया गया है। डॉ आरती ने अत्याधुनिक प्रणालियों को विकसित करने में आईआरडीई के प्रयासों की सराहना की।

ईसा, दिल्ली

लेफ्टिनेंट जनरल देवेन्द्र शर्मा,

एवीएसएम, एसएम, जीओसी-इन-सी, मुख्यालय (एआरटीआरएसी), ने 20 दिसंबर 2024 को पध्दति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली का दौरा किया। ईसा के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने ईसा की परियोजनाओं और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद युद्ध अभ्यास और सिमुलेशन के क्षेत्र में ईसा द्वारा विकसित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया तथा भावी सैन्य परियोजनाओं के लिए आगे की रणनीति पर चर्चा की गई।

पीएक्सई, चांदीपुर

नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली से रियर एडमिरल रूपक बरुआ, डीजीएनएआई ने 10-12 दिसंबर 2024 के दौरान बालासोर स्थित प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई) का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, पलैंग ऑफिसर ने डॉ पीके दास गुप्ता, वैज्ञानिक 'जी' एवं कार्यवाहक निदेशक और पीएक्सई के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की, जहां एडमिरल को पीएक्सई में किए गए प्रूफ और ट्रायल गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरे के दौरान, पलैंग ऑफिसर ने स्वदेशी रूप से विकसित 76/62 SRGM प्रॉक्सिमिटी फ्यूज के परीक्षण को देखा। इसके अलावा, डीजीएनएआई ने पीएक्सई के तकनीकी क्षेत्रों, अर्थात् फायरिंग पॉइंट, नौसेना आयुध डिपो, हथियार विंग, नौसेना प्रूफ एवं ट्रायल विंग और अवलोकन बिंदुओं का दौरा किया।

एसएसपीएल, दिल्ली

एकीकृत रक्षा स्टाफ (PP&FD) के उप प्रमुख, वाइस एडमिरल संजय वासायन, एवीएसएम, एनएम ने 9 जनवरी 2025 को ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल), दिल्ली (एमईडी, सीओएस क्लस्टर), डीआरडीओ, दिल्ली का दौरा किया। डॉ मीना मिश्रा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एसएसपीएल ने उन्हें प्रमुख अनुसंधान एवं विकास उपलब्धियों, चल रही परियोजनाओं और भविष्य की शोध पहलों के बारे में जानकारी दी। उप प्रमुख ने टीम के प्रयासों की सराहना की और वैज्ञानिक समुदाय से सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आधुनिक समय की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नए समाधान विकसित करने में सबसे आगे रहने का आग्रह किया।



लेफ्टिनेंट जनरल देवेन्द्र शर्मा, ईसा, दिल्ली में



डॉ पी के दास गुप्ता पीएक्सई, बालासोर में अपनी यात्रा के दौरान रियर एडमिरल रूपक बरुआ को सम्मानित करते हुए



वाइस एडमिरल संजय वसायन एसएसपीएल, दिल्ली में अपनी यात्रा के दौरान



विक्रय के लिए नए मोनोग्राफ

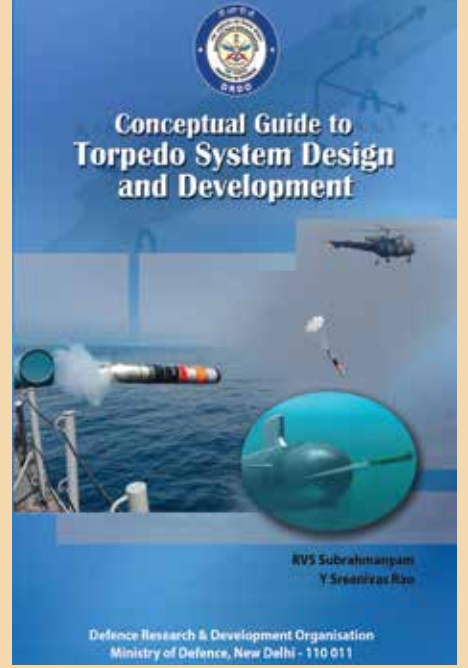
कन्सेप्टुअल गाइड टू टॉरपीडो सिस्टम डिजाइन एंड डेवलपमेंट

डॉ आर वी एस सुब्रह्मण्यम तथा डॉ वाई श्रीनिवास राव

यह मोनोग्राफ आधुनिक टॉरपीडो डिजाइन के लिए, पेशेवरों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए सिद्धांतों एवं प्रयोगों को समेकित करता है। इसके मुख्य विषयों में हाइड्रोडायनामिक्स, सेंसर, पावर, स्थिरता, नियंत्रण, शेल डिजाइन, सामग्री, ऑन बोर्ड कंप्यूटिंग और सुरक्षा शामिल हैं जो अभ्यास एवं लड़ाकू टॉरपीडो, हेलीकॉप्टर तथा विमान से हवाई तैनाती और सुरक्षा प्रमाणन को संबोधित करते हैं। मोनोग्राफ में लॉन्चर, फायर कंट्रोल, कंप्यूटर और परीक्षण प्रोटोकॉल शामिल हैं, जो विश्वसनीयता पर जोर देते हैं। सिस्टम इंजीनियरिंग दृष्टिकोण के साथ, यह वैचारिक डिजाइन से लेकर सत्यापन तक फैला हुआ है, तथा अंतर्जलीय हथियारों को डिजाइन करने और पाठकों को रक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में योगदान करने के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

लेखकों के बारे में:

डॉ आर वी एस सुब्रह्मण्यम, एनएसटीएल से सेवानिवृत्त वैज्ञानिक 'जी', टॉरपीडो सिस्टम और अंतर्जलीय तकनीकों में लगभग चार दशकों की विशेषज्ञता रखते हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग निदेशालय के प्रमुख के रूप में, उन्होंने टॉरपीडो, डिर्कोय, हथियार अग्नि नियंत्रण प्रणाली और हवाई वितरण प्रणाली पर परियोजनाओं का नेतृत्व किया, जिससे एनएसटीएल के रक्षा नवाचारों और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी विकास में उल्लेखनीय प्रगति हुई। सेवानिवृत्त विशिष्ट वैज्ञानिक एवं पूर्व महानिदेशक (एनएस एंड एम) डॉ वाई श्रीनिवास राव को मिसाइल और उत्पाद विकास में व्यापक अनुभव है। उन्होंने पृथ्वी वारहेड्स पर काम किया है, मिसाइल रक्षा में योगदान दिया है और एकसो इंटरसेप्टर मिसाइल के लिए परियोजना निदेशक के रूप में मिशन शक्ति का नेतृत्व किया।



ISBN: 978-93-94166-87-5
मूल्य: ₹ 2500/

हिमालयाज टू हैदराबाद: ए जर्नी फ्रॉम बॉर्डर रोड्स टू मिसाइल्स, माइक्रोड्रॉन्स एंड साइबोर्ग्स

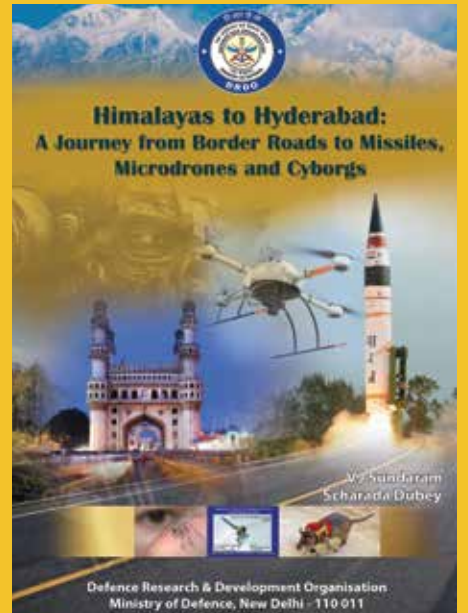
लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ) वी जे सुंदरम तथा शारदा दुबे

यह मोनोग्राफ 1959 से रणनीतिक सड़क निर्माण में भारत की यात्रा का पता लगाता है, जिसमें हिमालयी सड़कों के लिए पंडित नेहरू की प्राथमिकता और पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा 2024 में सेला सुरंग का उद्घाटन शामिल है। यह मिसाइल विकास में भारत की आत्मनिर्भरता की खोज करता है, जिसमें मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था जैसी चुनौतियों के बावजूद पृथ्वी, अग्नि, आकाश, नाग, ब्रह्मोस और त्रिशूल जैसी परियोजनाओं का विवरण दिया गया है।

लेखकों के बारे में:

लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ) वीजे सुंदरम, बीएससी और बीई (मैकेनिकल), मैसूर विश्वविद्यालय। वे 1957 में सेना में शामिल हुए। सेवा के दौरान उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स और मिसाइल में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

पूरा किया। उन्होंने पृथ्वी मिसाइल के लिए डिजाइन टीम का नेतृत्व किया और इसके प्रथम प्रोजेक्ट डायरेक्टर थे। वे 1988 से 2013 तक 50 पृथ्वी/धनुष लॉन्च के लिए मिशन डायरेक्टर थे। उन्होंने डॉ कलाम से डीआरडीएल और आरसीआई के निदेशक तथा भारत के मिसाइल कार्यक्रम के कार्यक्रम प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष का पदभार संभाला। वे एलसीए (1998-2001) की महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के स्वदेशीकरण समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने माइक्रोड्रोन और साइबोर्ग की शुरुआत की तथा अभी भी उनका पोषण कर रहे हैं। श्रीमती शारदा दुबे एक कुशल लेखिका और संचार सलाहकार हैं, जिन्होंने 19 पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जिनमें राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं जैसे उल्लेखनीय भारतीय हस्तियों के प्रोफाइल शामिल हैं।



ISBN: 978-93-94166-82-0
मूल्य: ₹ 1900/